चतुर्थ प्रश्न पत्र
भू - लुट् लकार
मध्यम पुरुष

अं० शि० - साजन कुमार
एम० पी० एस० एस० कॉलेज
बेगूसराय

मध्यमपुरुष - भवितासि - भवितास्थः - भवितास्थ

(4) भवितासि (मध्यम पुरुष एकवचन)

=> अनद्यतने लुट्' से लुट् लकार - भू + लुट्
=> लुट् के अनुबंधो को हटाने पर - भू + लु
=> कर्त्ता के म० पु० एकवचन की विवक्षा में - भू + सिप्
=> स्यतासी लृलुटोः' से 'तासि' का विकरण - भू + तासि + सिप्
=> 'तासि' के 'इ' की इत्संज्ञा व लोप - भू + तास् + सिप्
=> आर्धधातुकस्येड् वलादेः' से 'इट्' का आगम - भू + इतास् + सिप्
=> सार्वधातुकार्धधातुकयोः' से इगन्त भू को गुणादेश - भो + इतास् + सिप्
=> एचोऽयवायावः' से 'ओ' को अव् - भव् + इतास् + सिप्
=> मिलाने पर - भवितास् + सिप्
=> तासस्त्योर्लोपः' से 'स' का लोप 'सिप्' आदि प्रत्ययों के परे रहते - भविता + सिप्
=> 'सिप्' के 'प्' की इत्संज्ञा व लोप - भविता + सि
: मिलाने पर रूप सिद्ध - भवितासि

1)

5) भवितास्थः (मध्यम पुरुष द्विवचन)

:) अनद्यतने लुट्' से लुट् लकार - भू + लुट्
:) लुट् के अनुबंधों को हटाने पर - भू + ल्
:) कर्ता के म० पु० द्विवचन की विवक्षा में - भू + थस्
:) 'स्यतासीलृलुटोः' से 'तासी' का विकरण - भू + तासि + थस्
:) 'तासि' के 'इ' की इत्संज्ञा व लोप - भू + तास् + थस्
:) 'आर्धधातुकस्येड्वलादेः' से 'इट्' का आगम - भू + इतास् + थस्
:) 'सार्वधातुकार्धधातुकयोः' से इगन्त 'भू' को गुणादेश - भो + इतास् + थस्
:) 'एचोऽयवायावः' से 'ओ' को 'अव' - भव् + इतास् + थस्
:) मिलाने पर - भवितास् + थस्
:) थस् के 'स' की इत्संज्ञा, व 'न विभक्तौ तुस्माः' से निषेध - भवितास्थस्
:) 'ससजुषोरुः' से 'स' को रु (र) - भवितास्थर्
:) 'खरवसानयोर्विसर्जनीयः' से 'र्' को विसर्ग - भवितास्थः
:) इस प्रकार रूप सिद्ध - भवितास्थः

Scanned with CamScanner

6) भवितास्थ (मध्यम पुरुष बहुवचन)

⇒ अनद्यतने लुट्' से लुट् लकार - भू + लुट्
⇒ लुट् के अनुबंधो को हटाने पर - भू + ल
⇒ कर्ता के म० पु० बहुवचन की विवक्षा में - भू + थ
⇒ स्यतासीलृलुटोः से तासि' की विकरण - भू + तासि + थ
⇒ तासि' के 'इ' की इत्संज्ञा व लोप - भू + तास् + थ
⇒ आर्धधातुकस्येड्वलादेः' से इट्' का आगम - भू + इतास् + थ
⇒ 'सार्वधातुकार्धधातुकयोः' से इगन्त 'भू') को गुण - भो + इतास् + थ
⇒ एचोऽयवायावः' से ओ' को अव् - भव् + इतास् + थ
⇒ मिलाने पर रूप सिद्ध - भवितास्थ

Scanned with CamScanner